

1

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय,  
देहरादून।

संख्या- 553 /VI-I/2006-5(21)/2006

संस्कृति अनुभाग

देहरादून:दिनांक 11 नवम्बर, 2006

विषय:- एस0सी0पी0 योजनान्तर्गत ग्राम धनपौ, कालसी, जनपद देहरादून में सांस्कृतिक भवन निर्माण के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप के पत्र संख्या-1560/सं0नि0उ0/2005-06, दिनांक 08 मार्च, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय एस0सी0पी0 योजनान्तर्गत ग्राम धनपौ, कालसी, जनपद देहरादून में सांस्कृतिक भवन निर्माण हेतु टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित रुपये 4.95 लाख (रुपये चार लाख पचास हजार मात्र) के आगणन की विस्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के साथ-साथ उक्त धनराशि व्यय करने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

2-आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

3-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर पर्चेज नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें।

4-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5-एक भुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सन्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

7-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

8-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी हो, उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

9-निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

10-उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्ही मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा हो। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

11-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पूँजीगत परिव्यय-04-कला एवं संस्कृति-00-800-अन्य व्यय-03-कला एवं संस्कृति का सर्वद्वय-24-गृह निर्माण मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

12-यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० पत्र संख्या-1301/XXVII(3)/2006 दिनांक 23 नवम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस०एस०वल्दिया)  
उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 553 /VI-I/2006-5(21)/2005, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 5- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 7- एन०आई०सी०, देहरादून सचिवालय।
- 8- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 9- गार्ड फाईल।

(4)

आज्ञा से,

(एस०एस०वल्दिया)  
उप सचिव